मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत
एम 0 ए 0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2015 कोर्स कोड -एम0ए0एसएल -201

प्रोग्रामकोड - एम 0 ए 0 12 अधिकतम अंक - 40

कोर्स शीर्षक - काव्यशास्त्र

ग्रीष्मकालीन सत्र 2014-15

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क '

1. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य का प्रयोजनों का संक्षेप में निरूपण कीजिए ।
2. अलंकार का लक्षण का लक्षण क्या है ,शब्दालंकार एवं अर्थालंकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. दृष्टान्त अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
4. काव्यप्रकाश का परिचय दीजिए।
5. ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
6. ' हेतुर्नतुहेतव:' की व्याख्या कीजिए।
7. आचार्य आनन्दवर्धन और मम्मट के अनुसार काव्य का क्या लक्षण है।
8. ध्वनि काव्य को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए।

खण्ड ' ख'

1. **तददोषौशब्दार्थौ सगुणवनलंकृती पुनः क्वापि,** की व्याख्या कीजिए।
2. अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
3. रसोत्पत्ति विषयक शंकुक व लोल्लट के मत की समीक्षा कीजिए।
4. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा में आचार्य दण्डी का परिचय दीजिए।